भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3529

24 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तराखंड में नये आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान

3529. श्री महेंद्र भट्ट:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उत्तराखंड में नये आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों या आयुष विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) एवं (ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, आयुर्वेद सहित नए आयुष शिक्षण संस्थानों की स्थापना की प्राथमिक जिम्मेदारी उत्तराखंड सहित संबंधित राज्य सरकारों की है। हालांकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों को आयुर्वेद सहित नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है। तदनुसार, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, एनएएम के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अपनी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके अपने लिए ऐसी वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, उत्तराखंड सरकार ने एसएएपी के माध्यम से किसी नए आयुर्वेदिक शिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) एक स्वायत्त संगठन है, जो रानीखेत (तारीखेत) में स्थित अपने क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई) नामक परिधीय इकाई के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सहित देश भर में प्रमुख अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करता है। वर्तमान में, उत्तराखंड में किसी नए अनुसंधान संस्थान की स्थापना का कोई प्रस्ताव नहीं है।

किसी भी राज्य में नए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना संबंधित राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है।

*****